दैनिक
खोजी नारद
शाम का अखबार- खबरें धुंआधार

वर्ष: 15 , अंक: 96 , पृष्ठ: 8
मूल्य: रू. 1/-
कानपुर: बुधवार
12 मार्च 2025

आरएनआई नं: यूपीएचआइएन 2010/36541

» क्लोज और नेपोटिस्ट इंडस्ट्री... पेज-7

होली पर योगी सरकार का तोहफा

मुफ्त मिला गैस सिलेंडर

● होली से पहले योगी ने 1.86 करोड़ परिवारों को दिया तोहफा

कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले रिश्वत देकर गैस कनेक्शन दिया जाता था। अब फ्री में दिया जा रहा है। होली और दीपावली में गैस सिलेंडर मुफ्त दिया जाएगा। होली के ठीक पहले बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत राज्य के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल के लिए 1890 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की। इस योजना का शुभारंभ लखनऊ के लोकभवन सभागार में सीएम योगी ने बटन दबाकर किया। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जहां गैस कनेक्शन के लिए घूस देना पड़ता था, वहीं अब देश में 10 करोड़ परिवारों को ये सुविधा फ्री में उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही होली दीपावली पर गैस सिलेंडर भी मुफ्त दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार होली और रमजान एक साथ है, तो सभी लोगों को इस योजना का फायदा मिलेगा। गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि उज्ज्वला योजना को 2016 में शुरू किया गया था, जिसके तहत देशभर में 10 करोड़ परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन मिले। उत्तर प्रदेश में करीब 2 करोड़ लोग इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2021 में हमने वादा किया था कि 2022 में सरकार बनने पर होली और दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर दिया जाएगा। तब से हर साल यह योजना चल रही है ताकि लोग पर्व और त्योहार अच्छे से मना सकें। इस बार होली और रमजान दोनों साथ हैं इसलिए सभी को इसका लाभ

मिलेगा। पहले घूस, अब मुफ्त कनेक्शन सीएम ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले एक गैस कनेक्शन के लिए 25–30 हजार रुपये की घूस देनी पड़ती थी और त्योहारों पर सिलेंडर भी नहीं मिल पाते थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह योजना गरीब माताओं को धुएं से बचाने के लिए शुरू की गई है और इसमें किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जा रहा।

'मैं हिंदू हूं, और मुझे बीजेपी से प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं'

● सुवेंदु अधिकारी के बयान ममता की दो टूक

कार्यालय संवाददाता

कोलकाता। ममता ने कहा कि वे सांप्रदायिक बयान देकर देश का ध्यान आर्थिक और व्यापार पतन से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं एक हिंदू हूं, और मुझे बीजेपी से प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र स्थायी है, लेकिन कुर्सी नहीं।

कुर्सी का सम्मान करें। आप मुस्लिम विधायकों को बाहर निकालने के बारे में कैसे सोच सकते हैं। वे (बीजेपी) मुसलमानों को निशाना बना रहे हैं क्योंकि यह रोजा का महीना है, और उन्हें यह पसंद नहीं है। उन्होंने कहा कि वे सांप्रदायिक बयान देकर देश का ध्यान आर्थिक और व्यापार पतन से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं एक हिंदू हूं, और मुझे बीजेपी से प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है।

दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में हिंदू मंदिरों पर हमलों के खिलाफ भाजपा ने विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल के नेता सुवेन्दु अधिकारी ने कहा कि पिछले 4–5 दिनों से बरुईपुर, बशीरहाट में हिंदू मंदिरों और मूर्तियों को तोड़ा जा रहा है।

एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने दावा किया कि आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत का जश्न मना रहे लोगों पर हमला किया गया। इसके खिलाफ भाजपा विधायक ने विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव लाया, लेकिन उन्हें बोलने तक नहीं दिया गया।

विपक्ष के नेता ने दावा किया कि यह गैरकानूनी है और पश्चिम बंगाल की जनता की आवाज को दबाने की कोशिश है, जिसके खिलाफ हम प्रदर्शन कर रहे हैं।

भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि मांग यह है कि भेदभाव बंद किया जाना चाहिए। वोट बैंक और मुसलमानों के तुष्टीकरण के लिए हिंदुओं को किनारे किया जा रहा है। हमारे मुख्य सचेतक डॉ. शंकर घोष ने हमारे मुद्दे उठाए और हमेशा की तरह उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई। हम इस निरंकुशता को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

महाराष्ट्र सरकार के सदन और उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में एक ही दिन शिवाजी महाराज स्मारक की योजना पर लगी मुहर

कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय पिछले 6 वर्ष से शिवाजी स्मारक के लिए कर रहे थे प्रयास
आगरा आगमन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को योगेंद्र उपाध्याय ने बताई थी कोठी मीना बाजार की महत्ता
उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट बैठक में भी संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय ने दी स्वीकृति

खोजी नारद संवाददाता

आगरा। मीना बाजार कोठी आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने की योजना में उस समय पंख लगे जब संयोग से एक ही दिन (10 मार्च.2025) को एक और महाराष्ट्र विधानसभा सदन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस द्वारा आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने की घोषणा की गयी, वहीं दूसरी ओर इत्तेफाक से उसी समय योगी कैबिनेट में कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम द्वारा विभागीय प्रस्तुतीकरण करते समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मीना बाजार की कोठी पर शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने की प्रक्रिया हेतु निर्देशित करने का अनुरोध किया गया। उसी समय योगी आदित्यनाथ ने भी मुकेश मेश्राम को तद्घ्नुसार कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया।

यह एक संयोग ही था कि एक ही दिन में महाराष्ट्र के सदन में वहां के मुख्यमंत्री घोषणा कर रहे थे तो दूसरी ओर उत्तर प्रदेश की कैबिनेट मीटिंग में कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से उसी कार्य के लिए अनुरोध कर रहे थे।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों शिवाजी महाराज के जन्मदिवस के अवसर पर लाल किले, आगरा में शिवाजी महाराज के नाटक के मंचन के अवसर पर देवेन्द्र फडणवीस को आगरा आमंत्रित किया गया था। तब उपाध्याय ने उनको अवगत कराते हुए यह बताया था कि आगरा में उनके द्वारा किये गये शोध से यह स्पष्ट हो गया है कि शिवाजी को औरंगजेब ने जयपुर रियासत के तत्कालीन महाराजा मिर्जाराजा जयसिंह के पुत्र राम सिंह की कोठी में नजरबंद किया गया था, जो आज कल मीना बाजार की कोठी के नाम से जानी जाती है। यह भी सर्वविदित है कि छत्रपति शिवाजी ने जिस शौर्य, साहस, बुद्धिचातुर्य, कार्य योजना बनाने की अदभुत क्षमता और उसे कियान्वयन कर ले जाने की विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए औरंगजेब की जेल तोड़कर निकल गये थे, वह इतिहास का अविस्मरणीय पृष्ठ है। इसी पृष्ठ को चिरजीवी बनाने के लिए, जिससे की आने वाली पीढ़ियां प्रेरित हो सके, मीना बाजार की कोठी को अधिगृहीत कर वहां पर शिवाजी महाराज की स्मृति में एक भव्य स्मारक बनाने की योजना है। यह स्मारक जहां एक ओर आने वाली पीढी को प्रेरित करेगा वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र से उत्तर प्रदेश को आत्मीय रूप से जोड़कर राष्ट्रीय एकात्मता का एक प्रतीक स्तम्भ भी बनेगा।

इस योजना को कार्य रूप देने के लिए स्थानीय विधायक और उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय विगत 5–6 वर्षों से जुटे हुए थे जिसको 10 मार्च को महाराष्ट्र विधान सभा के सदन एवं योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट मीटिंग ने पंख लगा दिये हैं।

कलेक्ट्रेट में दलालः खुद को बताता था बाबू, डीएम से हुई थी शिकायत, एडीएम-एसडीएम कोर्ट में था बोलबाला, ऐसे पकड़ गया

खोजी नारद संवाददाता

कानपुर। सूत्रों के मुताबिक शाहिद कई वर्षों से एडीएम न्यायिक कोर्ट में बैठता था। उनके कोर्ट में चल रहे मुकदमों की पैरवी करता था। तत्कालीन पेशकार का करीबी बताया जाता है। इसके साथ एसडीएम सदर कोर्ट के भी मुकदमों की पैरवी कराता था।

कानपुर में आसरा आवास दिलाने के नाम पर कई महिलाओं से 35 हजार रुपये ठगने वाला दलाल शाहिद मंगलवार को कलक्ट्रेट परिसर से पकड़ा गया। एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने पूछताछ कर उसे कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। एक सप्ताह पहले आवास विकास नौबस्ता निवासी महिला ने जिलाधिकारी से आवास दिलाने के नाम पर पैसा वसूलने की शिकायत की थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर दलाल की लगातार निगरानी की जा रही थी।

शासन ने प्राइवेट कर्मियों के सरकारी कार्यालयों में प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बाद भी कलक्ट्रेट में दलालों का बोलबाला है। पकड़ा गया दलाल खुद को एडीएम न्यायिक कोर्ट का बाबू बताता था। साथ ही एसडीएम कोर्ट के मुकदमों में भी पैरवी करता था। एक सप्ताह पहले नौबस्ता निवासी पूनम ने बताया था कि आसरा आवास योजना के तहत आवास के लिए छह माह पहले जिलाधिकारी के जनता दरबार में गुहार लगाने पहुंची थी।

महिलाओं को आवास नहीं मिला, तो जिलाधिकारी से शिकायत की

वहीं पर उनकी मुलाकात शाहिद से हुई। उसने आवास दिलाने की बात कही और इसके बदले रुपयों की मांग रखी। तीन से चार बार में करीब 35 हजार रुपये पूनम समेत कई महिलाओं से अलग–अलग ले लिए। जब छह माह बाद भी महिलाओं को आवास नहीं मिला, तो पूनम ने सोमवार को जिलाधिकारी से शिकायत की थी। इसके बाद जिलाधिकारी ने शाहिद को पकड़ने के लिए एडीएम सिटी को निर्देश दिए थे। मंगलवार को शाहिद एसडीएम कोर्ट के बाहर पहुंचा था।

सूचना पर एडीएम सिटी ने उसे पकड़वा लिया। पूछताछ में शाहिद ने बताया कि कई वर्ष पहले उससे एडीएम जे कार्यालय में नौकरी दिलाने के नाम पर 70 हजार रुपये लिए गए थे, लेकिन नौकरी नहीं मिल सकी। तब से उसका कलक्ट्रेट में आना–जाना हो गया। एडीएम सिटी ने शाहिद को जमकर फटकार लगाई। फोन कर कोतवाली पुलिस को बुलाया और उनके हवाले कर दिया। सप्ताह भर पहले महिला की शिकायत पर डीएम ने एडीएम सिटी को निगरानी कर दलाल को पकड़ने के निर्देश दिए थे। इसके बाद गेट पर तैनात और परिसर में तैनात कर्मियों को इसकी निगरानी करने के लिए एडीएम ने कहा था। मंगलवार को जैसे ही वह गेट के अंदर आया, तो किसी कर्मी ने डीएम के पीए रणधीर सिंह को मैसेज कर उसके अंदर आने की जानकारी दी। रणधीर ने एडीएम सिटी को इस बाबत बताया तो वह कार्यालय से नीचे आए और दलाल को पकड़कर अपने कार्यालय ले गए। सूत्रों के मुताबिक शाहिद कई वर्षों से एडीएम न्यायिक कोर्ट में बैठता था। उनके कोर्ट में चल रहे मुकदमों की पैरवी करता था।

सीसामऊ सुपर किंग्स ने जीती केपीएल की ट्रॉफी, फाइनल मैच में मयूर मिरकिल्स को दी मात

खोजी नारद संवाददाता

कानपुर। सीसामऊ सुपर किंग्स ने केपीएल की ट्रॉफी जीत ली है। फाइनल मैच में मयूर मिरकिल्स को मात दी। आदर्श सिंह ने 110 रन की शतकीय पारी खेली। कप्तान आदर्श सिंह की नाबाद शतकीय पारी के दम पर सीसामऊ सुपरकिंग्स ने मंगलवार को ग्रीनपार्क स्टेडियम में मयूर मिराकिल्स कल्याणपुर को 29 रनों से हराया। जीत के साथ ही सीसामऊ ने कानपुर प्रीमियर लीग (केपीएल) की ट्रॉफी व 11 लाख रुपये का पुरस्कार अपने नाम किया। उपविजेता मयूर मिराकिल्स को पांच लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया। फाइनल में सीसामऊ ने आदर्श के नाबाद 110 रनों के दम पर 20 ओवर में एक विकेट पर 216 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मयूर मिराकिल्स आठ

विकेट पर 187 रन ही बना सकी। विजेता टीम को ट्रॉफी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दी। ग्रीनपार्क में टॉस जीतकर सीसामऊ के कप्तान आदर्श सिंह ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए मिराकिल्स के गेंदबाजों की अच्छी खबर ली। आदर्श और सार्थक लोहिया ने चारों तरफ शॉट लगाते हुए मात्र 8.3 ओवर में स्कोर 85 रन पर पहुंचाया। सीसामऊ को पहला झटका सार्थक (39) के रूप में लगा। दिव्यांशु पांडेय की गेंद पर उन्हें विकेटकीपर साहिल ने स्टंप आउट किया। इसके बाद अभिषेक पांडेय के साथ मिलकर आदर्श ने दूसरे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की। आदर्श ने मात्र 61 गेंद पर आठ चौकों और आठ छक्कों की मदद से नाबाद 110 रन की पारी खेली। अभिषेक ने भी 32 गेंदों में तीन चौके व तीन छक्के लगाते हुए नाबाद 54 रन की पारी खेलते हुए टीम के स्कोर को 20 ओवर में एक विकेट पर 216 रन पर पहुंचाया। जवाब में मयूर मिराकिल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही।। टीम से अमित पचारा को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। ओपनर सुमित सिंह राठौर (0) और प्रियांशु पाण्डेय (21) को अभिनव शर्मा ने पवेलियन भेजा। साहिल (16) रनआउट हुए। समन्वय दीक्षित (18) और दिव्य प्रकाश (10) को सत्यम पांडेय तथा दिव्यांशु यादव (20) और मो. शारिम (5) को अंकुर पवार ने अपना शिकार बनाया। पचारा ने मैच के आखिरी ओवर तक रोमांच बनाए रखा लेकिन वह 19.5वें ओवर में 87 रनों की शानदार पारी खेलकर आउट हुए। उन्हें अभिनव ने आउट किया। पचारा ने अपनी पारी के लिए 48 गेंदों का सामना किया जिसमें आठ चौके व पांच छक्के शामिल रहे। सौरभ यादव के नाबाद 13 रनों की मदद से मिराकिल्स 20 ओवर में आठ विकेट 187 रन बना सकी। केपीएल के फाइनल मैच में शतकीय पारी खेलने वाले आदर्श सिंह को मैन ऑफ द मैच और लीग में कुल 455 रन बनाने के लिए मैन ऑफ द सीरीज और ऑरेंज कैप का खिताब दिया गया। उन्हें एक लाख रुपये का पुरस्कार मिला। सर्वाधिक 15 विकेट लेने पर पर्पल कैप का खिताब मयूर मिराकिल्स के सौरभ यादव को मिला।

होली के रंग में रंगा एन.एस.जी.आई.परिवार

एनएसपीएस त्रिपुला परिसर में धूमधाम से मनाया होली का त्योहार

कार्यालय संवाददाता

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में होली समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें न्यू स्टैंडर्ड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स की सभी शाखाओं के शिक्षक–शिक्षिकाओं ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक–प्रबंधक डॉ0 शशिकांत शर्मा ने एन.एस.जी.आई. की समस्त शाखाओं के प्रधानाचार्यों के साथ देवी सरस्वती की पूजा–अर्चना कर किया। समारोह की शुरुआत में एन.एस.पी.एस. त्रिपुला के प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने विद्यालय में आये हुए सभी आगंतुकों का स्वागत किया और होली पर्व पर होने वाले फाग गीत का गायन कर कार्यक्रम का आगाज किया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में 'होली खेले मसाने में' गीत पर भगवान भोलेनाथ और उनके गणों की छवि में थिरक रहे त्रिपुला ब्रांच के शिक्षक और शिक्षिकाओं ने सभी का मन मोह लिया साथ ही 'होली खेल रहे बांके बिहारी, आज रंग बरस रहा' और 'होली खेले रघुवीरा, अवध में होली खेले रघुवीराश गीत ने सभी को साथ में झूमने को मजबूर कर दिया तो वहीं रंगों से सराबोर गीतों पर सभी लोग खूब थिरके। तत्पश्चात् समूह गान, और एन.एस.जी.आई. की प्रत्येक शाखाओं के द्वारा मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। होली के रंगारंग कार्यक्रम में सभी ने बढ़–चढ़ कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के संस्थापक–प्रबंधक डॉ0 शशिकांत शर्मा ने कहा कि होली का पावन पर्व मानव जीवन में खुशहाली, समृद्धि, भाईचारे एवं सहयोग की भावना का प्रतीक है। ऐसे त्योहारों से हमें प्रेरणा लेते हुए कटुता,विद्वेष एवं भेदभाव को त्याग कर सौहार्दपूर्ण ढंग से अपने कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में डॉ0 शर्मा ने समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को उपहार वितरित करते हुए होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई दी, इसके साथ ही उन्होंने ईश्वर से सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजीव सिंह,तारकेश्वर सिंह, कामाक्षा सिंह, शिवांग अवस्थी, आई वी सिंह, प्राचार्य प्रोफेसर डॉ अनिल कुमार, उप–प्रधानाचार्य मो. फैजान खान, रजनी श्रीवास्तव, संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, रुची मिश्रा, गिरीश श्रीवास्तव सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

नूरुस सलाम को एएमयू का वित्त अधिकारी नियुक्त किया गया

जिला संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में संयुक्त वित्त अधिकारी के पद पर कार्यरत नूरुस सलाम को विश्वविद्यालय का वित्त अधिकारी नियुक्त किया गया है। वह अगले आदेश तक अपने मौजूदा कर्तव्यों के साथ–साथ इस पद पर भी बने रहेंगे।

एएमयू के प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र ने फल संरक्षण पर कार्यशाला आयोजित की

जिला संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सतत एवं प्रौढ़ शिक्षा एवं विस्तार केंद्र (सीसीएईई) ने अलीगढ़ जिले के उद्यान एवं फल संरक्षण विभाग के सहयोग से "फल संरक्षण" पर कार्यशाला का आयोजन किया। रिसोर्स पर्सन श्याम सुंदर ने स्वयं सहायता समूहों के सामने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया और फल संरक्षण आधारित खाद्य उत्पाद क्षेत्र में स्टार्ट–अप शुरू करने की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने स्क्वैश, मिश्रित फल जैम और अचार के उत्पादन और विपणन सहित छोटे पैमाने के व्यावसायिक अवसरों के बारे में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। कार्यशाला के बाद लगभग 60 छात्रों ने एक व्यावहारिक परीक्षा में भाग लिया और सफल घोषित किए गए। सीसीएईई के निदेशक डॉ. शमीम अख्तर ने उद्यमिता को बढ़ावा देने में स्वयं सहायता समूहों के महत्व पर प्रकाश डाला और लिज्जत पापड़ को एक प्रमुख उद्योग के रूप में विकसित होने वाले छोटे उद्यम का प्रमुख उदाहरण बताया।

यूनिवर्सिटी विमेंस पॉलिटेक्निक की छात्राओं ने एथर 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

जिला संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की यूनिवर्सिटी विमेंस पॉलिटेक्निक में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की द्वितीय वर्ष की डिप्लोमा छात्रा हरलीन कौर और प्राची सिंह ने एथर 2025 में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार और नकद पुरस्कार हासिल किया। उन्हें डॉ. शाहबाज हुसैन द्वारा निर्देशित किया गया था। विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन ओलंपिया एकेडेमिया – डब्ल्यूसी टीम द्वारा अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी के तहत विमेंस कॉलेज, एएमयू में किया गया था। यूनिवर्सिटी वीमेन्स पॉलिटेक्निक की प्रिंसिपल प्रो. सलमा शाहीन ने छात्राओं के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनकी लगन और अभिनव दृष्टिकोण एएमयू में अकादमिक उत्कृष्टता के उच्च मानकों को दर्शाता है। उनकी सफलता संस्थान के लिए बहुत गर्व की बात है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के सेक्शन इंचार्ज डॉ. मोहम्मद अजमल कफील ने भी उनकी उपलब्धि की सराहना की।

एएमयू में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

जिला संवाददाता

अलीगढ़,। एएमयू के भाषा विज्ञान विभाग ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक और समकालीन महत्व पर चर्चा की। डॉ. नाजरीन बी. लस्कर ने समाज में महिलाओं की उभरती भूमिका के बारे में बात की, जबकि एमए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा शीजा जमशेद ने महिला सशक्तिकरण और कल्याण के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। विभाग के अध्यक्ष मसूद अली बेग ने अपने अध्यक्षीय भाषण में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली सरकारी पहलों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन डॉ. पल्लव विष्णु के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें छात्रों, विद्वानों और शिक्षकों की भागीदारी को स्वीकार किया गया।इसके अतिरिक्त एएमयू के निसवान–वा–कबालात विभाग द्वारा 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' थीम के तहत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्त्री रोग ओपीडी–4 में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं को स्वास्थ्य और फिटनेस पर परामर्श दिया गया।

रेलगाँव में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय प्रयागराज में दिनांक 12 मार्च 2025 को होली एवं राष्ट्रीय फूल लगाओ दिवस के अवसर पर पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था अनुभाग की तरफ से पौधारोपण किया गया। रेलगाँव में स्थित शिव मंदिर के समीप पार्क में आज दिनांक 12 मार्च को कई प्रजाति के पौधे लगाए गए जिसमे मुख्यतः रूप से आँवला, आम्रपाली आम, कटहल, रातरानी इत्यादि शामिल थे । पौधारोपण कार्यक्रम में स्काउट, एवं पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था के कर्मचारी शामिल हुए । सभी की तरफ से पौधारोपण किया गया । इसके बाद सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने हेतु कपड़े के थैलो का वितरण किया गया । पौधारोपण हेतु गड्ढो के निर्माण हेतु पेट्रोल चालित हैंड ड्रिल मशीन का उपयोग किया गया । कार्यक्रम के अंत में सभी से ईको फ्रेंडली होली खेलने के लिए अपील की गयी जिसमे होलिका को जलाने के लिए पेड़ो को न काटे, ध्वनि प्रदूषण कम करे, पानी की बचत करे, ईको फ्रेंडली रंगो का प्रयोग करे इत्यादि सम्मलित है । उपरोक्त कार्यक्रम श्री शिवाजी कदम, मुख्य पर्यावरण प्रबन्धक के मार्गदर्शन में श्री अखिलेश कुमार सिंह वरिष्ठ खंड इंजीनियर, श्री अवधेश सिंह मुख्य कार्यालय अधीक्षक, श्रीमती सविता सरोज वरिष्ठ लिपिक, श्रीमति एवं श्री सत्यापाल जी स्काउट एवं गाइड के द्वारा सम्पन्न किया गया ।

महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर में मनाया गया होली मिलन समारोह

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर में होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। असत्य पर सत्य की विजय के पावन पर्व पर विद्यालय परिसर होली के रंगों से सराबोर हो गया। सभी शिक्षक और प्रबन्ध समिति के सदस्यों ने मिलकर इस पावन पर्व का आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के शिक्षक शिवशंकर जी के यशोदा कहे चलो गोंइया, आज खेले होली'गाने से हुई जिसने पूरे माहौल को संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम की इसी कडी में विद्यालय की शिक्षिका अंशुल मालवीय के खेले मशाने में होली' गीत ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा जहॉ–जहॉ जाए राधा आएँगे मुरारी' गीत पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। विद्यालय के शिक्षक और कर्मचारियों ने भी इस उत्सव मेंभाग लिया और साथ मिलकर अबीर–गुलाल से होली खेली। इस अवसर पर सभी ने स्वल्पाहार का आनन्द उठायाऔर सभी ने मिलकर होली के पारंपरिक गीतों का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के कोषाध्यक्ष, श्री रवीन्द गुप्ता जी ने होली के रंगों का वर्णन करते हुए उनके महत्व के बारे के में सभी को बताया।

संभल सत्य है, किसी के पूजा स्थल पर जबरन कब्जा करना अस्वीकार्य, योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान

जिला संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में पांचजन्य और ऑर्गनाइजर द्वारा आयोजित श्मंथन–महाकुंभ और उससे आगेश कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने पूजा स्थलों का सम्मान करने और ध ार्मिक स्थलों के संरक्षण के महत्व पर बल दिया। संभल विवाद को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान आया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसी की आस्था को जबरन छीनना और उसकी मान्यताओं को कुचलना अस्वीकार्य है – खासकर तब जब हम संभल के बारे में सच्चाई जानते हैं। योगी ने दावा किया कि संभल का उल्लेख 5,000 साल पुराने ग्रंथों में मिलता है, जो इस्लाम से भी पहले का है। संभल में श्री हरि विष्णु का मंदिर 1526 में नष्ट कर दिया गया था। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि भगवा मेरी पहचान है, सनातन धर्म की पहचान पर जबरन कब्जा करना अस्वीकार्य है। उन्होंने संभल का जिक्र करते हुए कहा, ष्संभल सत्य है। मैं सभी संप्रदायों और धर्मों का सम्मान करता हूं, लेकिन अगर कोई जबरन किसी स्थान पर कब्जा करता है और किसी की आस्था

को नष्ट करता है तो यह स्वीकार्य नहीं है। संभल में 68 तीर्थ स्थल थे, और हमने अभी तक केवल 18 की पहचान की है। 56 साल में पहली बार वहां एक शिव मंदिर में जलाभिषेक किया गया ।ष्योगी आदित्यनाथ ने गणतंत्र दिवस पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति द्वारा दिए गए बयान का हवाला देते हुए विदेशी आक्रांताओं के महिमामंडन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ष्इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने हाल ही में कहा था कि जब उनका डीएनए टेस्ट होगा तो वह भारत का होगा। जो लोग भारत के संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं, उन्हें पहले अपना डीएनए टेस्ट कराना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन करना बंद करें, क्योंकि जब संभल जैसी सच्चाई सामने आएगी तो कोई मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगा ।ष्सीएम ने महाकुंभ के महत्व पर भी प्रकाश डाला और इसे सनातन धर्म का सच्चा प्रतिनिधित्व बताया। उन्होंने कहा, ष्महाकुंभ सनातन धर्म के सच्चे सार की एक झलक है। इसने दुनिया को भारत की पहचान का एक दर्शन दिया, दुनिया को दिखाया कि भारत वास्तव में किस लिए खड़ा हैरू श्एक भारत श्रेष्ठ भारतश ।ष अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी ने महाकुंभ के बारे में कांग्रेस की नकारात्मक टिप्पणियों पर भी कटाक्ष किया। योगी ने कहा, ष्वे हर अच्छी पहल का विरोध करते हैं। आजादी के बाद पहला कुंभ मेला 1954 में आयोजित किया गया था, जब कांग्रेस सत्ता में थी और यह भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और अराजकता से भरा था। 1,000 से अधिक मौतें हुईं और उसके बाद हर कुंभ मेले में यही होता रहा। यह एक ऐसा तथ्य है जिसे छिपाया नहीं जा सकता।

अफसर ने बाबू को धमकाकर पत्नी के खाते में ट्रांसफर कराए 40 हजार रुपये, आरोप की जांच शुरू

जिला संवाददाता

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग में अधिकारी ने बाबू का फोन लेकर जबरन अपनी पत्नी के खाते में 40 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। समाज कल्याण विभाग मंत्री ने मामले में जांच के आदेश जारी किए हैं। अमेठी जिले में तैनात जिला समाज कल्याण अधिकारी मनोज कुमार शुक्ल पर विभाग के बाबू गोकुल प्रसाद ने रिश्वत लेने का गंभीर आरोप लगाया है। बाबू ने जिलाधिकारी अमेठी को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि समाज कल्याण अधिकारी द्वारा डरा धमका कर मोबाइल से 40 हजार रुपए बलपूर्वक अपनी पत्नी के खाते में ट्रांसफर कराया गया है। मामले की जानकारी मिलते ही समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) सीम अरुण ने अयोध्या मंडल के उपनिदेशक को मौके पर भेजकर जांच करवाने का निर्देश विभाग के निदेशक कुमार प्रशांत को दिया है। बाबू गोकुल प्रसाद का आरोप है कि 26 दिसंबर 2024 को समाज कल्याण अधिकारी ने अपने चौंबर में बुलाया और बल पूर्वक मोबाइल लेकर फोन–पे का पासवर्ड प्राप्त कर अपनी पत्नी डॉ. अंजू शुक्ल के खाते में 40 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिया। बाबू ने अपनी शिकायत में रुपये के लेनदेन का एक साक्ष्य भी दिया है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण मंत्री ने 20 मार्च को जांच रिपोर्ट से अवगत कराने का निर्देश दिया है। मामले पर समाज कल्याण विभाग मंत्री असीम अरुण ने कहा कि प्रदेश सरकार जीरो टोलरेंस के तहत भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ लगातार प्रहार कर रही है। विभाग में किसी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जांच के बाद दोषी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति न हो।

होलिका दहन पर पड़ी महंगाई की मार,ऐशबाग लकड़ी मण्डी में मंदी का दौर

जिला संवाददाता

लखनऊ। होलिका दहन के लिये लकड़ी के लिये ऐशबाग की लकड़ी मण्डी पिछले दो दिनो से पूरी तरह से सजी हुयी है। और लोग एकत्र चन्दे के हिसाब से लकड़ी की खरीदारी कर रहे है। मंहगाई के कारण हालिका का आकार भी घटता जा रहा है। पहले आठों के मेले तक जलने वाली होलिका मात्र दो दिनों में ही जल कर समाप्त हो जाती है। ऐशबाग की मण्डी के लकड़ी व्यापारी राम सिंह के अनुसार वह पिछले अठारह साल से केवल होलिका दहन के लिये ही लकड़ी जिसे आम भाषा में मुजंर कहा जाता है को बेचने यहॉ आते है। इस बार आम का मुंजर पांच सौ से साढ़े पांच सौ रूपये कुन्तल है जबकि पकरी और गूलर की लकड़ी भी इस बार महंगाई की वजह से तीन सौ रूपये से चार सौ रूपये कुन्तल के हिसाब से बिक रही है। वही व्यापारी राजेश ने बताया कि वैसे तो आम की ही लकड़ी से होलिका को जलाना चाहिये क्योकि यह पर्यावरण के लिये सही होती है परन्तु सस्ते के चक्कर में लोग पकरी व गूलर के साथ अन्य लकड़ियों से होलिका को जला देते है। वैसे देखा जाय तो जिसे मुजंर कहते है वह पेड़ के नीचे जड़ का ठूँठ होता है जो कई दिनों तक जलता रहता है। हरे पेड़ो की अवैध कटान के बाद यही ठूँठ होली में जलाने के लिये बेच दिया जाता है। वैसे भी होली के मौके पर काफी तादाद में हरे पेड़ यहॉ बिक जाते है। करीब एक दर्जन के आस–पास व्यापारी यहॉ केवल होली की लकड़ी बेचने के लिये आते है। दबी जुबान में व्यापारियों ने बताया कि स्थानीय पुलिस को भी हिस्सा देना पड़ता है बिना उसके यहॉ अपना माल उतार ही नहीं सकते है।

मैं की नहीं हम की भावना से करना है सेवा कार्य : चेत नारायण सिंह

जिला संवाददाता

लखनऊ। कैंट स्थित आर्म्ड फोर्स ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन के रिटर्निंग ऑफिसर विजय कुमार पाण्डेय ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को प्रमाण पत्र वितरित किया। श्री पांडे ने अध्यक्ष कमल कुमार सिंह, महामंत्री गिरीश तिवारी, आर.के. एस. चौहान, मो. जफर खान, विंग कमांडर एसएन द्विवेदी, संयुक्त सचिव मनोज कुमार अवस्थी एवं धर्मराज सिंह कार्यकारिणी सदस्य राहुल पाल, रमाकांत, शिव कुमार सरोज, रवि कुमार यादव, महेंद्र कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह को उनके पदाधिकारी होने का प्रमाण पत्र सौंपा। इस अवसर पर डॉक्टर चेतनारायण सिंह ने कहा कि हमें मैं की नहीं हम की भावना से सेवा कार्य करना है और बार को प्रदेश और देश स्तर पर पहुंचाना है।

सिंडिकेट ने बिजली विभाग के अफसर की पत्नी का कराया धर्मांतरण, त्याग दिया सिंदूर–मंगलसूत्र

जिला संवाददाता

लखनऊ। मामले में पीड़ित पति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर विभाग में चल रहे धर्मांतरण के खेल को उजागर किया है। रेलकर्मी की पत्नी को जिम्मेदार बताया गया है। वहीं, दो और महिलाओं के धर्मांतरण का आरोप लगाया है। धर्मांतरण के तमाम प्रकरणों के बीच राजधानी में भी सनसनीखेज मामला सामने आया है। लोगों को बरगलाकर धर्म बदलवाने वाले सिंडिकेट ने बिजली विभाग के एक अधिकारी की पत्नी का ही धर्मांतरण करा दिया। पत्नी को वापस अपने धर्म में लाने के पति के प्रयास सफल नहीं हुए तो उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखकर पूरे प्रकरण को उजागर किया। पीड़ित अधिकारी ने पत्र में लिखा है कि उनकी पत्नी भी बिजली विभाग में कार्यरत हैं। उनके साथ ही उनके दो बेटों का भी धर्मांतरण करा दिया गया है। वह अब हिंदू से ईसाई हो गए हैं। पत्नी ने उन पर भी धर्मांतरण का दबाव बनाया। बात नहीं मानने पर बेटों को लेकर दूसरी जगह रहने लगी हैं। पत्नी को वापस लेने गए तो उनके भाई जानमाल की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित अधिकारी ने पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल को भी पत्र लिखकर धर्मांतरण सिंडिकेट में शामिल विभागीय कर्मियों पर कार्रवाई की मांग उठाई है। त्याग दिया सिंदूर–मंगलसूत्र पीड़ित अधिकारी ने लिखा है कि उनकी पत्नी अब पूरी तरह से ईसाई धर्म के अनुसार ही जीवन बिता रही हैं। उन्होंने सिंदूर और मंगलसूत्र त्याग दिया है। चूड़ी भी नहीं पहनती। देवी–देवताओं की पूजा से भी परहेज करती हैं। उनके मोबाइल फोन पर हर सुबह ईसाई धर्म से जुड़े मैसेज आ रहे हैं। धर्मांतरण कराने वाला सरगना रेलवे में पत्र के मुताबिक, धर्मांतरण कराने वाला सरगना रेलवे में तैनात है। उसकी पत्नी बिजली विभाग में है। रेलवे कर्मचारी की पत्नी ने दो अन्य महिलाओं का भी धर्मांतरण करा दिया है। इस सिंडिकेट की सरकारी विभागों में गहरी पैठ है। धर्मांतरण की सूचना हमें बताएं यदि आपके आसपास भी धर्मांतरण की कोई सूचना है तो अमर उजाला को पूरा विवरण लिखकर भेजें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। हम अपने स्तर पर सूचना की पड़ताल करेंगे। पुष्टि होने पर ही प्रकाशन करेंगे।

खेत में पड़े थे प्रेमी–प्रेमिका के शव, लिखा...हमें साथ दफनाना, हत्या–आत्महत्या में उलझी गुत्थी

जिला संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के इटौंजा में युवक व युवती के शव एक खेत में पड़े पाए गए हैं। मौत की गुत्थी हत्या–आत्महत्या में उलझ गई है। जैकेट पर लिखी अंतिम इच्छा। इटौंजा के अटेसुआ गांव में रहने वाले शादीशुदा संदीप उर्फ दीपू (35) और काकोरी चिकौली गांव निवासी लक्ष्मी राजपूत (18) के शव मंगलवार शाम गांव के खेत में एक साथ पड़े मिले। दोनों के गले में रस्सी बंधी थी, जिसके टुकड़े एक पेड़ की डाल से बंधे थे। युवती के परिजनों के अनुसार दोनों में प्रेम संबंध था। ग्रामीणों ने दोनों की हत्या की आशंका जताई है। पुलिस घटना को आत्महत्या मान रही है। अटेसुआ गांव निवासी महेंद्र के खेत में मंगलवार की शाम कुछ बच्चे बेर खाने गए थे। वहां आम के पेड़ के पास युवक–युवती के शव देख बच्चों ने शोर मचाया। ग्रामीणों ने युवक की पहचान गांव में रहने वाले पेशे से मजदूर दीपू के रूप में की। सूचना पर एडीसीपी, एसीपी, इटौंजा पुलिस और फोरेंसिक टीम भी पहुंची। गांव वालों ने पुलिस को बताया कि युवती काकोरी के चिकौली गांव की रहने वाली लक्ष्मी है। उसके परिजन कई दिनों से दीपू के घर उसकी तलाश में आ रहे थे। इटौंजा पुलिस ने लक्ष्मी के परिजनों को मौके पर बुलाया। परिजनों ने शव की पहचान लक्ष्मी के रूप में की। लक्ष्मी के परिजनों ने फिलहाल कोई आरोप नहीं लगाया है। एडीसीपी नॉर्थ जितेंद्र कुमार दुबे का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत की सही वजह पता चल सकेगी। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। लक्ष्मी के परिवार में तीन बहनें और दो भाई है। वहीं, दीपू के परिवार में दो बेटों अमन व अरुण के अलावा मां मनसा देवी हैं।

खोजी नारद
संपादकीय
कानपुर ■ ■ बुधवार 12 मार्च, 2025

भाषा पर भड़काने वाली राजनीति

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक नेता एमके स्टालिन हिंदी विरोध के लिए हद से ज्यादा आगे बढ़ गए हैं। वह अब हिंदी के खिलाफ उसकी बोलियों को खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा है, 'अन्य राज्यों के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, कभी सोचा है कि हिंदी ने कितनी भारतीय भाषाओं को निगल लिया है? भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खरिया, खोरठा, कुरमाली समेत कई अन्य अब अस्तित्व के लिए हांफ रही हैं। एक अखंड हिंदी पहचान के लिए जोर देने से प्राचीन मातृभाषाएं खत्म हो रही हैं। यूपी और बिहार कभी भी सिर्फ हिंदी के गढ़ नहीं थे। उनकी असली भाषाएं अब अतीत की निशानी बन गई हैं। तमिलनाडु इसका विरोध करता है।' कहने की जरूरत नहीं कि स्टालिन का यह वक्तव्य भड़काने वाला है। स्टालिन द्वारा हिंदी पर लगाया गया यह आरोप इसलिए निरर्थक है, क्योंकि हिंदी क्षेत्र की इन बोलियों–भाषाओं के सम्मिलित रूप को ही हिंदी कहा जाता है। इनसे प्राप्त जीवनशक्ति से हिंदी फलती–फूलती है। ठेठ हिंदी का ठाठ उसकी बोलियों के सौंदर्य से निर्मित होता है। हिंदी समाज एक साथ अपनी जनपदीय भाषा जैसे भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही भी बोलता है और हिंदी भी। लिखने–पढ़ने का अधिकांश कार्य वह हिंदी में जरूर करता है। इसीलिए राजभाषा अधिनियम के अनुसार उन्हें 'क' श्रेणी में रखा गया और दस राज्यों में बंटने के बावजूद उन्हें 'हिंदी भाषी' कहा गया। भोजपुरी, राजस्थानी, अवधी, ब्रज आदि हिंदी के अभिन्न अंग हैं। इन बोलियों एवं उपभाषाओं की समृद्धि से हिंदी को और हिंदी की समृद्धि से उसकी उपभाषाओं एवं बोलियों को लाभ होता रहा है। जब हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, तब स्टालिन जैसे नेता उसके घर को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना–संचार में हिंदी का हस्तक्षेप तेजी से बढ़ रहा है। दुनिया के तमाम देश भारत जैसे बड़े बाजार के निमित्त हिंदी को अपने भविष्य का रास्ता मान रहे हैं। हिंदी के घर को बांटकर और समाज में विभेद पैदा कर स्टालिन खाई खोदने का काम कर रहे हैं। इसके पहले उन्होंने संस्कृत का भी बेतुका विरोध किया था। इसी तरह वह यह दुष्प्रचार भी कर रहे हैं कि त्रिभाषा फार्मूला दरअसल हिंदी थोपने की कोशिश है। क्या ऐसे बयान देकर स्टालिन भारतीय भाषाओं को आपस में लड़ाने और अंग्रेजी को आधिपत्य जमाए रखने का अवसर नहीं दे रहे हैं? हिंदी थोपने का नाहक आरोप लगाने वाले स्टालिन को यह बोध होना चाहिए कि भारतीय भाषाओं को खतरा अंग्रेजी से है। हिंदी का तमिल या किसी भारतीय भाषा से कोई झगड़ा नहीं। यह नहीं भूलना चाहिए कि सभी भारतीय भाषाओं में एक सहकार संबंध रहा है। भारतीय भाषाओं एवं राज्यों को अलग–अलग खंडों में बांटे जाने के बावजूद भारत अपने सांस्कृतिक संदर्भों के कारण एक सूत्र में बंधा है। भारतीय भाषाओं के सहकार संबंध से तमिल कवि सुब्रह्मण्य भारती भलीभांति परिचित थे। इसीलिए वह हिंदी के प्रबल पक्षधर थे। वह तमिल समाचार पत्र 'इंडिया' के संपादक थे और उसमें वह एक पृष्ठ हिंदी को देते थे। 'इंडिया' के 15 दिसंबर, 1906 के अंक में उन्होंने लिखा था, 'तीस करोड़ लोगों में से आठ करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते हैं। महाराष्ट्र से लेकर बंगाल के लोग हिंदी आसानी से समझ लेते हैं। तमिलभाषी, तेलुगुभाषी थोड़ा सा परिश्रम करेंगे तो हिंदी सीख सकते हैं।' केंद्र सरकार 2022 से सुब्रह्मण्य भारती के जन्मदिन 11 दिसंबर को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाती है। इसके अलावा भारतीय भाषाओं के संबंध को बल देने के लिए तीन वर्षों से काशी तमिल संगमम का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। लगता है इन आयोजनों से स्टालिन की बेचैनी बढ़ी है। तमिलनाडु में सत्ता विरोधी माहौल भी है। कदाचित स्टालिन ने इसीलिए भाषा के पुराने हथियार का उपयोग शुरू किया है। तमिलभाषी क्षेत्र में भाषा को राजनीति का हथियार बनाने का प्रयोग दशकों पुराना है। 1937 में मद्रास सरकार के प्रमुख के रूप में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने हाईस्कूल स्तर पर हिंदुस्तानी को अनिवार्य विषय बना दिया तो उसके खिलाफ उग्र आंदोलन शुरू हो गया था। आत्मसम्मान आंदोलन के नेता ईवी रामास्वामी नायकर यानी पेरियार ने गिरफ्तारी दी थी। इनमें पेरियार की छत्रछाया में ही पनपे सीएन अन्नादुरई और करुणानिधि जैसे नेता भी थे। करुणानिधि की राजनीति हिंदी विरोधी आंदोलन में हुई उनकी गिरफ्तारी से ही चमका। इस आंदोलन का प्रभाव दक्षिण के अन्य हिस्सों में भी दिखा, मगर उसकी तीव्रता और विस्तार तमिलनाडु जैसा नहीं था। संविधान के अनुसार 1965 में हिंदी को भारत की राजभाषा घोषित होना था। तब अंग्रेजी संघ की सहयोगी राजभाषा नहीं रह जाती, किंतु उसके कुछ दिन पूर्व ही मद्रास में सी. राजगोपालाचारी की स्वतंत्र पार्टी और अन्नादुरई की द्रमुक के नेतृत्व में तमिलभाषियों ने राजभाषा के रूप में हिंदी का विरोध करते हुए हिंसक आंदोलन शुरू कर दिया। यह वही राजगोपालाचारी थे, जिन्होंने कभी हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के पक्ष में न केवल वक्तव्य दिया था, बल्कि मद्रास की सरकार के प्रमुख के तौर पर हिंदी को लागू भी किया था। तब से नाहक हिंदी विरोध की राजनीति वहां जारी है। यह देश की एकता के लिए घातक है।

ट्रूडो के बाद कार्नी को कमान, अमेरिकी महत्वाकांक्षा के बीच कनाडा की असल परीक्षा कूटनीतिक होगी

केएस तोमर

वैश्विक स्तर पर चर्चित केंद्रीय बैंकर से कनाडा के प्रधानमंत्री तक का मार्क कार्नी का सफरघ्नेतृत्व के नाटकीय बदलाव को दर्शाता है। बैंक ऑफ कनाडा एवं बैंक ऑफ इंग्लैंड में उनके कार्यकाल ने वित्तीय संकट मोचक की प्रतिष्ठा अर्जित की, लेकिन राजनीतिक नेतृत्व की चुनौतियां बिल्कुल अलग हैं। उन्हें विरासत में एक खंडित राजनीतिक परिदृश्य मिला है, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में तेजी से संरक्षणवादी बनते अमेरिका और भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों से निपटने की चुनौती है। उनकी आर्थिक सूझबूझ राजकोषीय नीति और व्यापार संबंधों के प्रबंधन में उन्हें विश्वसनीय बनाती है, लेकिन भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने, शत्रुतापूर्ण व्हाइट हाउस को संभालने और कनाडा की संस्थाओं में जनता का विश्वास बहाल करने जैसी चुनौतियों को देखते हुए उनकी असल परीक्षा कूटनीतिक होगी। उनकी नेतृत्व शैली यह निर्धारित करेगी कि क्या वह वैश्विक मंच पर कनाडा की स्थिति को स्थिर करने में सफल होते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो ने कनाडा में भारतीय समुदाय के बहुसंख्यकों को नाराज कर दिया था, क्योंकि उन्होंने खालिस्तानियों का खुलकर समर्थन किया था, जो भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों के लिए जिम्मेदार थे। नए प्रधानमंत्री ने संकेत दिया है कि वह भारत के साथ मजबूत संबंधों के पक्षधर हैं, जो दोनों देशों के हित में है। नए प्रधानमंत्री को संबंधों को पटरी पर लाने के लिए अपने कौशल और अनुभव का उपयोग करना होगा। वर्ष 2021 की जनगणना के अनुसार, कनाडा में भारतीय समुदाय की संख्या लगभग 18,58,755 है, जो राष्ट्रीय जनसंख्या का लगभग 5.1 फीसदी है। इस जनसांख्यिकी ने कनाडा के बहुसांस्कृतिक परिदृश्य को काफी प्रभावित किया है, खासकर टोरंटो, वैंकूवर, कैलगरी, एडमॉन्टन और मॉन्ट्रियल जैसे शहरी केंद्रों में। कनाडा की राजनीति में भारतीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी देश की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है तथा शासन में उनके प्रतिनिधित्व के महत्व को उजागर करती है। लेकिन जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में हुई सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद अक्तूबर, 2024 में कनाडा और भारत के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया। जस्टिन त्रूदो ने भारत सरकार पर कनाडा में हिंसा की साजिश रचने का आरोप लगाया, जिसके चलते राजनयिकों को निष्कासित किया गया और द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा हुआ। इससे कनाडा स्थित भारतीय समुदाय के बीच चिंता पैदा हो गई, खासकर आव्रजन, शिक्षा और आर्थिक संबंधों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में।

नए प्रधानमंत्री को भारतीय समुदाय के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ना होगा। उनकी चिंताओं को संबोधित करना, समावेशी नीतियों को बढ़ावा देना और भारत के साथ राजनयिक संबंधों को सुधारने की दिशा में काम करना कनाडा के सामाजिक–आर्थिक ताने–बाने में इस जीवंत समुदाय की भलाई और निरंतर योगदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होंगे। कनाडा में समावेशी शासन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय समुदाय के योगदान को पहचानना और उसका मूल्यांकन करना आवश्यक है। नए प्रधानमंत्री को इस जीवंत समुदाय के साथ जुड़ने से सामाजिक सामंजस्य को मजबूत करने तथा ऐसी नीतियों को बढ़ावा देने के अवसर मिलेंगे, जो विविधता और समावेशन के प्रति कनाडा की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती हैं। कार्नी ने राजनीतिक मतभेदों के बीच कार्यभार संभाला है। लिबरल पार्टी के प्रति जनता का भरोसा कम हुआ है, खासकर पश्चिमी कनाडा में, जहां त्रूदो की नीतियों ने तेल–निर्भर प्रांतों को अलग–थलग कर दिया। इस बीच, दक्षिणपंथी लोकलुभावनवाद ने गति पकड़ी है।

बेशक उन्हें चुनावी अनुभव नहीं है, लेकिन एक आर्थिक रणनीतिकार के रूप में उनकी विश्वसनीयता उन्हें मतदाताओं का विश्वास हासिल करने में मदद कर सकती है।

मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना, ब्याज दरों को स्थिर करना और क्षमता संबंधी चिंताओं को दूर करना उनकी तत्काल प्राथमिकताएं होंगी। प्रभावी ढंग से शासन करने के लिए प्रगतिशील और रूढ़िवादी, दोनों मतदाताओं से समर्थन पाना महत्वपूर्ण होगा, जबकि पार्टी के भीतर और मध्यमार्गी मतदाताओं के बीच विश्वास बहाल करना उन्हें राजनीतिक दीर्घायु प्रदान करेगा। कार्नी को भारत के साथ संबंधों को सुधारने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीधी बातचीत शुरू करना तथा सार्वजनिक आरोपों से बचना होगा, क्योंकि इससे संबंधों में और अधिक कड़वाहट पैदा हो सकती है। कनाडा से संचालित खालिस्तान समर्थक उग्रवाद के बारे में भारत की चिंताओं का समाधान करना तथा भारत के साथ आतंकवाद–विरोधी सहयोग को मजबूत करना जरूरी है। भारत के रॉ और आईबी के साथ खुफिया जानकारी साझा करना, आतंकवादियों को वित्तपोषित करने या भारत के खिलाफ हिंसा भड़काने में शामिल लोगों को निर्वासित करने पर विचार करना, तथा चरमपंथी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए द्विपक्षीय सुरक्षा कार्यबल की स्थापना करना, भारत की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कनाडा की प्रतिबद्धता का संकेत हो सकता है।

रुके हुए कनाडा–भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर चर्चा फिर से शुरू करना और भारत के प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में कनाडाई निवेश को प्रोत्साहित करना, कनाडा के ऊर्जा और एआई उद्योगों में भारतीय निवेश को आकर्षित करना आगे बढ़ने के लिए एक रचनात्मक मार्ग प्रदान करेगा। भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए वीजा प्रतिबंधों से जुड़े मुद्दों को हल करना और शैक्षणिक व सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ाना संबंधों को मजबूत करेगा। कार्नी के सामने एक नाजुक संतुलन बनाने की चुनौती है–घरेलू राजनीतिक संवेदनशीलताओं का प्रबंधन करते हुए भारत के साथ विश्वास बहाल करना। हालांकि, उन्हें कनाडा में खालिस्तान समर्थक समूहों के राजनीतिक दबाव, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने के आरोपों और त्रूदो के रुख का समर्थन करने वाले वामपंथी उदारवादियों के विरोध ा का सामना करना पड़ेगा। यदि वह एक दृढ़, लेकिन संतुलित नीति लागू करते हैं (जिसमें सिख समुदाय की रक्षा करते हुए चरमपंथियों पर नकेल कसी जाए),घ्तो वह घरेलू अस्थिरता को बढ़ावा दिए बिना भारत–कनाडा संबंधों को सुधार सकते हैं।

होली पर बनाएं चटपटी राज कचौरी, स्वाद की तारीफ करते नहीं थकेंगे मेहमान

❍ होली पर कुछ नया और टेस्टी बनाने का प्लान है तो राज कचौरी बनाकर तैयार कर सकती हैं। ये खाने में जितनी जायकेदार है बनाने में उतनी ही आसान भी है।

फीचर डेस्क

बच्चे हों या बड़े, होली का त्यौहार लगभग सभी को पसंद होता है। होली को खास बनाते हैं ढेरों रंग, मौज–मस्ती और इस दिन बनने वाले स्वादिष्ट पकवान। होली के दिन घर में मेहमानों की भीड़ लगी रहती है। ऐसे में उन्हें कुछ टेस्टी सर्व करना तो बनता है। गुजिया, पापड़, पकौड़ों के अलावा भी स्नैक्स में कई चीजें बनाई जा सकती हैं, जो जायके को और बढ़ा देंगी। आज हम आपको ऐसी ही एक स्पेशल डिश राज कचौरी की रेसिपी बता रहे हैं। होली पर कुछ चटपटा और टेस्टी खाने का मन है तो राज कचौरी बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसे बनाना भी आसान है और यहां दी गई टिप्स के साथ एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल राज कचौरी बनाकर तैयार कर सकती हैं।

राज कचौरी बनाने की सामग्री

होली पर रेस्टोरेंट स्टाइल कचौरी बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं – सूजी (आधा कप), गेहूं का आटा (दो चम्मच), मैदा (एक चम्मच), गुनगुना पानी (1ध्4 कप), तलने के लिए तेल। इसके अलावा अंदर की फिलिंग बनाने के लिए आपको एक उबला हुआ आलू, उबले हुए काले चने, स्प्राउट्स, प्याज, अदरक, हरा धनिया, नींबू का रस, चाट मसाला (आधा चम्मच), कश्मीरी लाल मिर्च (1ध्4 चम्मच), बूंदी, हरी चटनी, मीठी चटनी, दही, नमकीन/सेव, अनार के दाने।

राज कचौरी बनाने की विधि

एकदम कुरकुरी और रेस्टोरेंट स्टाइल राज कचौरी बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में सूजी, मैदा और आटे को मिला लें। अब इन्हें गुनगुने पानी की मदद से गूंथकर तैयार करें और किसी गीले कपड़े से ढककर लगभग 20 मिनट के लिए यूं ही छोड़ दें। इसके बाद आटे की छोटी–छोटी लोइयां बनाएं और पतली–पतली पूड़ियों की शेप में बेलकर तैयार कर लें।अब कढ़ाई में तेल गर्म करें और इन्हें गोल्डन ब्राउन होने तक पका लें। कलछी से कचौड़ी के ऊपर तेल डालते जाएं, इससे कचौरी फूली–फूली और अच्छी बनेगी।

अब बारी है फिलिंग बनाने की। इसके लिए एक कटोरी में उबला हुआ आलू लें और उसे अच्छी तरह मैश कर दें। अब इसमें उबले हुए काले चने, स्प्राउट्स, बारीक कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, लंबे कटे हुए अदरक के लच्छे, फ्रेश हरा ध ानिया, नींबू का रस, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर और भिगोई हुई बूंदी मिलाएं। सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें।अब एक कचौरी लें और उसे फोड़कर उसमें ये फिलिंग अच्छी तरह भरें। साथ ही हरी चटनी, मीठी चटनी, फेंटी हुई दही, सेव और अनार के दाने डालें। आपकी टेस्टी और कुरकुरी राज कचौरी बनाकर तैयार हैं।

नकली होली के रंग कर सकते हैं चेहरा खराब, ऐसे करें केमिकल कलर्स की पहचान

❍ क्या कोई ऐसा तरीका है, जिससे बाजार से होली के रंग खरीदते समय उनके असली और नकली होने के बारे में पता लगाया जा सके। अगर आपके मन को भी यह सवाल हर साल होली पर परेशान करता है तो आपको बता दें होली के रंग में मिलावट की पहचान करने के लिए एक नहीं बल्कि 3 तरीके हैं।

फीचर डेस्क

होली की मस्ती रंगों के बिना अधूरी मानी जाती है। होली से कई दिन पहले ही बाजार लाल, पीला, नीला और हरे रंग से सजे हुए नजर आने लगते हैं। लोग एक दूसरे को रंगने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। लेकिन होली के इस हुड़दंग के बीच रंग में भंग तब पड़ जाता है, जब हर साल केमिकल रंग की वजह से लोगों को होने वाली स्किन प्रॉब्लम की खबरों से अखबार भरे हुए रहते हैं। ऐसे में हर किसी के मन में एक सवाल आता है कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिससे बाजार से रंग खरीदते समय उसके असली और नकली होने के बारे में पता लगाया जा सके। अगर आप भी इस सवाल का जवाब जानना चाहते हैं तो आपको बता दें, ऐसे एक नहीं बल्कि 3 तरीके हैं जिनकी मदद से आप होली के रंग में केमिकल की मिलावट की पहचान कर सकते हैं।

मिलावटी होली के रंग की पहचान करने के टिप्स

चमकीले रंग ना खरीदें

बाजार में मिलने वाले होली के अधिक चमकदार और गहरे रंग असल में नकली होते हैं। इस तरह के रंग में कांच के पाउडर, बारीक रेत, मरकरी सल्फाइड जैसी चीजों की मिलावट की जाती है। जिसकी वजह से होली का रंग देखने में अधिक चमकीला लगता है और त्वचा पर लगने पर स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए होली पर बहुत ज्यादा चमकदार रंग खरीदने से बचें।

हाथों में लेकर करें पहचान

गुलाल खरीदने से पहले उसे एक बार हाथों में लेकर चेक करें। अगर रंग छूने पर बहुत ज्यादा चिकना या रूखा लगे तो समझ जाए की रंग में सिंथेटिक केमिकल की मिलावट हो सकती है। जबकि प्राकृतिक रंगों में मिलावट नहीं होने की वजह से वो ना तो बहुत ज्यादा चिकने होते हैं और ना ही बहुत ज्यादा रूखे होते हैं।

सूंघकर चेक करें

यह उपाय होली के रंग में मिलावट की पहचान करने का सबसे अच्छा और आसान तरीका है। इस उपाय को करने के लिए थोड़ा सा गुलाल हथेली पर रखकर सूंघे। अगर गुलाल से पेट्रोल, मोबिल ऑयल, केरोसिन तेल, केमिकल, या खुशबूदार किसी चीज की गंध आ रही हो तो समझ जाएं गुलाल और रंग नकली है। इस बात का खास ख्याल रखें कि कभी भी प्राकृतिक रंगों की गंध तेज नहीं होती है।

होली का रंग मार्बल फ्लोर और टाइल्स से नहीं छूट रहा तो अपनाएं ये तरीका

❍ रंगों की मौजमस्ती के बाद घर को साफ करने में दिक्कत होती है तो ये नुस्खे जरूर जान लें। मार्बल फ्लोर या टाइल्स पर अबीर-गुलाल या पानी वाले रंग के धब्बे रह गए हैं तो इन तरीकों से साफ करें, घर फिर से चमकने लगेगा।

फीचर डेस्क

होली की मौजमस्ती सबको अच्छी लगती है लेकिन ये रंग अगर घर या बाथरूम के फ्लोर पर रह गए तो गाढ़ा धब्बा छोड़ जाते हैं। जिन्हें छुड़ाने के लिए कई बार मशक्कत करनी पड़ती है। तो अगर आप चाहती हैं कि घर के टाइल्स और मार्बल होली के रंग में ना रंगे तो इन क्लीनिंग टिप्स को जरूर याद रखें। जिससे कि फौरन आप इन मार्बल–टाइल्स को साफ कर फिर से चमका सकें और किसी भी तरह के रंग के धब्बे इन पर ना रह जाएं।

मार्बल से रंग साफ करने का तरीका

–मार्बल के फ्लोर पर अगर रंग गिर गया है तो इसे साफ करने का तरीका बहुत आसान है। बस सूखे रंग को कपड़े से झाड़कर हटा दें।

–गीले रंग को साफ करने के लिए पहले गर्म पानी डालकर ब्रश रगड़ें। इससे एक्स्ट्रा कलर साफ हो जाएगा।

–फिर साबुन पानी के घोल में कपड़ा डुबोकर पोछें। इससे रंग साफ हो जाता है।

श्वेता केसवानी

क्लोज और नेपोटिस्ट इंडस्ट्री है हॉलिवुड, बाहर वालों को नहीं घुसने देते

फीचर डेस्क

श्वेता केसवानी ने हॉलिवुड में कदम रखने के लिए भारत में अपनी शोहरत छोड़ी। न्यू यॉर्क में नया घर बसाया और धीरे–धीरे हॉलिवुड में पहचान बनाई। हालांकि, हॉलिवुड में भारतीय कलाकारों को छोटी भूमिकाओं तक सिमित रखा जाता है। श्वेता ने लगातार मेहनत से सफलता पाई। श्वेता केसवानी ने न्यू यॉर्क में नई जिंदगी की शुरुआत की हॉलिवुड में घुसने का सफर चुनौतीपूर्ण रहा श्वेता केसवानी ने बताया कि भारतीय एक्टर्स को छोटे–मोटे रोल में कास्ट किया जाता है श्कहानी घर घर कीश, श्देश में निकला होगा चांदश और श्बा बहू और बेबीश जैसे मशहूर टीवी शोज की ऐक्ट्रेस श्वेता केसवानी करीब डेढ़ दशक पहले ये सारी शोहरत और पहचान को प्यार और परिवार के लिए छोड़कर सात समंदर पार एक नए देश न्यू यॉर्क में बस गईं। हालांकि, उनके भीतर का एक्टर वहां भी जोर मारता रहा और धीरे–धीरे उन्होंने हॉलिवुड में श्ऐज दे मेड असश, श्बीनी बबलश, श्रोर,न्यू एम्सडर्मश, श्द ब्लैकलिस्टश जैसी फिल्मों और सीरीज में जगह बनाई। हालांकि, श्वेता का कहना है कि बाहर से आए कलाकारों के लिए हॉलिवुड में घुसना टेढ़ी खीर है। पढिए, ये खास इंटरव्यूरू आप भारत में एक मशहूर ऐक्ट्रेस थीं। ऐसे में, इंडिया छोड़कर न्यू यॉर्क में बसने और हॉलिवुड में हाथ आजमाने का फैसला कैसे किया? और यह सफर कैसा रहा? असल में, साल 2010 में मैं न्यू यॉर्क में एक एक्टिंग कोर्स करने गई थी। वहां मैं अपने पति केन एंडीनो से मिली। पहले हम लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में रहे, मगर जब हमने साथ रहने का फैसला किया तो मैंने सोचा कि मैं वहां मूव करने का चांस लेती हूं, क्योंकि ऐसा नहीं था कि मुझे सिर्फ अफेयर करना था। मुझे अपना घर बनाना था। मैं अपना बच्चा चाहती थी और जब बच्चा होता है तो मां को एक ब्रेक लेना पड़ता है क्योंकि बच्चे को मां की जरूरत होती है। ऐसे में, मैंने सोचा कि एक नए मार्केट को एक्सप्लोर करने में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि बेशक इंडिया में नाम था, पर सास–बहू के सीरियल ही चल रहे थे। जब मैं कोर्स करने आई थी तब टीवी में हम जैसे स्थापित एक्टर्स के लिए माहौल ठंडा था, क्योंकि नए चेहरे बहुत कम फीस पर काम कर रहे थे तो मेकर्स नए लोगों को चांस दे रहे थे। मुझे जो ऑफर मिल रहे थे, वे मुझे पसंद नहीं आ रहा थे तो मैंने सोचा कि अगर यूनिवर्स ने मुझे इस आदमी से मिलाया है तो कोई वजह होगी। हालांकि, हॉलिवुड में घुसने का सफर बहुत चौलेंजिंग था। मैं 2011 में न्यू यॉर्क मूव हुई और मुझे एजेंट ढूंढने में ही काफी वक्त लगा। धीरे–धीरे मैं लोगों से मिलने लगी और अब 13 साल बाद जाकर मैं कास्टिंग और इंडस्ट्री के दूसरे लोगों से मिलने में सक्षम हो पाई हूं, या उन लोगों को कोई रोल दिखता है तो वे मुझे याद करते हैं, तो यह जर्नी बिल्कुल आसान नहीं थी। मुझे इंडस्ट्री में रिलेशनशिप बनाने में ही 13 साल लग गए। अपनी सारी शोहरत, स्टारडम को भूलकर एक नई जगह गुमनाम जिंदगी जीना और एक नई शुरुआत करना भी मुश्किल रहा होगा? अरे, वो बहुत मुश्किल था। मेरा यहां कोई दोस्त नहीं था। मेरा पति रोज सुबह काम पर चला जाता था। मेरे पास काम भी नहीं था। अब तो मैं सिटिजन हूं, पर तब मेरे पास ग्रीन कार्ड भी नहीं था तो काम भी नहीं कर सकती थी। स्टूडेंट फिल्म्स करती थी, जिसमें पैसे भी नहीं मिलते थे, पर कुछ समय बाद वो भी करके पक गई। मुझे लगा कि यार, इन लोगों से ज्यादा तो मुझे आता है। मेंटली भी लगता था कि वहां पर मैं इतना कमाती थी, यहां पर अपने पति पर निर्भर हूं, तो वह बहुत मुश्किल दौर था, लेकिन फिर मैंने पॉजिटिव चीजों पर फोकस करना शुरू किया। मैंने सीखना शुरू कर दिया। मैं एक्टिंग क्लासेज करती थी। मैंने स्टैंड अप के क्लासेज किए। मैं आज भी एक्टिंग क्लासेज करती हूं। मैं दूसरों को एक्टिंग सिखाती भी हूं और खुद भी क्लासेज करती हूं। दूसरें, मैं बुद्धिजम प्रैक्टिस करती हूं, तो मेरी जो बुद्धिस्ट कम्यूनिटी थी, वह मेरा परिवार बन गई। हॉलिवुड फिल्मों में आम तौर पर भारतीय एक्टर्स को छोटे–मोटे रोल या ड्राइवर–वर्कर जैसे कम आदमनी वाले किरदारों में ही कास्ट किया जाता है। आपका अनुभव क्या रहा है? आपने बिल्कुल सही कहा। हॉलिवुड बहुत ही क्लोज, नेपोटिस्ट इंडस्ट्री है। उनके गार्ड होते हैं, जो हॉलिवुड में नॉन हॉलिवुड के लोगों को घुसने नहीं देना चाहते। नॉन हॉलिवुड के जो भी लोग हॉलिवुड में आए हैं, उन्होंने बहुत ज्यादा मेहनत की है। यकीन मानिए, हॉलिवुड रूपी किले को भेदना मजाक नहीं है। रोल देते वक्त हमें सिर्फ एशियन डायस्पोरा के करैक्टर के लिए सोचा जाता है। हमें एक टर्म दिया गया है– मिनासा (डम्छौ।) जिसका मतलब है– डपककसम म्ेंजमतद, छंजपअम ।उमतपबंद,ैवनजी ोपंद यानी सिर्फ साउथ एशियन नहीं, मिडिल इस्टर्न, नेटिव अमेरिकन, हम सबको एक एक ब्रैकेट में डाल दिया है, तो अगर कोई ब्राउन या नॉन अमेरिकन एक्टर चाहिए तब उन्हें हमारी याद आती है और इतने बड़े सागर, जिसमें जपान, कोरिया, भारत, नेटिव अमेरिकन, मिडिल ईस्ट, सब जगह के लोग हैं, उनमें से ऑडिशन होता है, तो मैं साल में 100 ऑडिशन करूं तो कहीं जाकर 2 बुकिंग मिलती है। इसलिए, यह मुश्किल तो बहुत है, लेकिन जिंदगी बहुत छोटी है और अगर मैं यह नहीं करती तो मुझे अफसोस होता। इसलिए, मैंने यह मेहनत की और खुशी है कि मैंने छोटे छोटे रोल किए हैं, लेकिन उन्हें नोटिस किया जा रहा है।

अभी कुछ बड़े कास्टिंग वालों के कॉल आ जाते हैं कि आप ऑडिशन दो तो मुझे वह बहुत बड़ी जीत लगती है, लेकिन हां, मुझे यहां तक पहुंचने में 13 साल लगे। अभी तो हॉलिवुड में हालात और डांवाडोल है। डोनाल्ड ट्रंप ने डायवर्सिटी और इन्क्लूजन का विभाग ही निकाल दिए हैं। दो बड़ी स्ट्राइक भी हुई तो इंडस्ट्री यहां भी टूटी हुई है। जब आप न्यू यॉर्क में नई जिंदगी तलाश रही थीं, तब आपके हज्बैंड का कितना सपोर्ट रहा? वह बहुत सपोर्टिव थे, जब तक मैं शहर ना छोड़कर जाऊं (हंसती हैं)। असल में, छोटे बच्चे को पालना एक फुल टाइम जॉब है और उसको ऑफिस जाना होता था और यहां मेरे पास कोई सपोर्ट नहीं था। कोई फैमिली नहीं थी। वह तो धीरे धीरे जो मेरी कम्यूनिटी में बहुत सारी माएं हैं, मॉम फ्रेंड्स हैं, वो एक दूसरे की मदद करती हैं। जैसे, मैं इंडिया आई तो मेरी बेटी इस्सी को किसी ने डांस से पिक अप किया, कोई खाने पर लेकर गया, पर इसके पीछे सालों के मेहनत है, जिससे हमने यह रिश्ता बनाया। आपकी बेटी का एक्टिंग की ओर रुझान है? आपको स्क्रीन पर देखकर कैसे रिएक्ट करती है? उसको शुरू से यह सब बहुत अच्छा लगता है। वह बहुत नाटक और म्यूजिकल करती है। वह गाती भी बहुत अच्छा है। उनकी आवाज बहुत अच्छी है। टैप डांस, हिप हॉप भी बहुत करती है, तो यह सब उसके खून में है। मेरा काम देखकर भी वह बहुत खुश होती है। बड़े गर्व से अपने दोस्तों को बताती थी कि मेरी मां टीवी ऐक्ट्रेस है। आपके आने वाले प्रॉजेक्ट्स क्या हैं? क्या दोबारा भारत में भी कुछ कर रही हैं? मैं अभी बहुत कुछ कर रही हूं। सनडांस से स्क्रीन राइटिंग सीखी थी। अभी डायरेक्शन सीख रही हूं तो खुद की शॉट फिल्म बनाने का प्लान है। एक शॉर्ट और एक फीचर रिलीज होनी है। एक शॉर्ट और एक फीचर और भी है, जिसमें मैं एक्टर और एग्जीक्यूटिव प्रड्यूसर दोनों हूं। साथ ही एक्टिंग सिखाती हूं, एक थिएटर कंपनी की वाइस प्रेजिडेंट हूं। वहीं, इंडिया में वापस काम करने का भी सोच रही हूं, क्योंकि बेटी अब बड़ी हो गई है, तो अब मैं शहर से बाहर जा सकती हूं। मैं टीवी शो नहीं, पर ओटीटी पर काम करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे बार–बार आना जाना नहीं करना है। ऐसे प्रॉजेक्ट हों कि बीस दिन के लिए आकर, काम खत्म करके चली जाऊं।

खोजी नारद

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी विवेक बाजपेयी द्वारा नारद आफसेट, 120/192/99 नारायनपुरवा, कानपुर नगर से मुद्रित एवं 11/329 सूटरगंज, कानपुर नगर से प्रकाशित

सम्पादक

विवेक बाजपेयी

09454513072

समाचार सम्पादक

विकास मिश्रा 'विक्की'

स्थानीय कार्यालय

120/192/99 नारायन पुरवा

लाजपत नगर, कानपुर

Email: khojinarad.daily@gmail.com

समस्त विवाद कानपुर नगर न्यायालय के अन्तर्गत ही मान्य होंगे।

आरसीबी की 11 रन से जीत

मुंबई फाइनल के लिए सीधे क्वालिफाई करने से चूकी, दिल्ली शीर्ष पर

कार्यालय संवाददाता

मुंबई। मंगलवार को ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता टीम ने स्मृति मंधाना की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट पर 199 रन बनाए। जवाब में मुंबई निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर सिर्फ 188 रन बना सकी। आरसीबी की जीत स्नेह राणा और किम गार्थ की घातक गेंदबाजी की बदौलत रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 11 रन से हरा दिया। मंगलवार को ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता टीम ने स्मृति मंधाना की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट पर 199 रन बनाए। जवाब में मुंबई निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर सिर्फ 188 रन बना सकी। इस हार के साथ हरमनप्रीत कौर की पलटन फाइनल के लिए सीधे क्वालिफाई करने से चूक गई। अब उन्हें गुजरात जाएंट्स के खिलाफ गुरुवार को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना है। इस मैच में जीतने वाली टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फाइनल मुकाबला खेलने उतरेगी। बता दें कि, मेग लैनिंग के नेतृत्व वाली टीम 10 अंक और 0.396 के नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर रही। दिल्ली ने आठ में से पांच मैच जीते। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरुआत खराब हुई। 32 के स्कोर पर टीम ने दो विकेट गंवाए। स्नेह राणा ने हीली मैथ्यूज (19) और अमेलिया कर (9) को अपना शिकार बनाया। इसके बाद मोर्चा नेट सिवर ब्रंट ने संभाला। एक छोर पर खड़ीं ब्रंट टीम को धीरे–धीरे लक्ष्य की तरफ ले जा रही थीं लेकिन बाकी बल्लेबाज नियमित अंतराल पर अपना विकेट गंवा रहे थे। 32 वर्षीय ऑलराउंडर ने 35 गेंदों में 69 रन बनाए। हालांकि, वह टीम को जीत नहीं दिल सकीं। मुंबई के लिए कप्तान हरमनप्रीत ने 20, अमनोजत ने 17, यास्तिका भाटिया ने चार, सजीवन सजना ने 23, जी कमालिनी ने छह, संस्कृति ने 10 रन बनाए। वहीं, शबनम इस्माइल और परुनिका सिसोदिया क्रमशरू चार और बिना खाता खोले नाबाद रहीं। आरसीबी के लिए स्नेह राणा ने तीन विकेट लिए जबकि किम गार्थ और एलिस पेरी को दो सफलताएं मिलीं। वहीं, हेदर ग्राहम और जॉर्जिया वेयरहम को एक–एक विकेट मिला। मुंबई का सातवां विकेट जी कमालिनी के रूप में गिरा। उन्हें जॉर्जिया वेयरहम ने एलिस पेरी के हाथों कैच कराया। वह सिर्फ छह रन बना सकीं। नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए संस्कृति गुप्ता उतरी हैं। 18 ओवर के बाद स्कोर 156ध7 है। 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की हालत नाजुक नजर आ रही है। उन्हें पांचवां झटका स्नेह राणा ने दिया जबकि हेदर ग्राहम को पांचवां विकेट मिला।

विमेंस प्रीमियर लीग के सभी लीग मैच खत्म

कार्यालय संवाददाता

विमेंस प्रीमियर लीग के सभी लीग मुकाबले खत्म हो चुके हैं और इसी सीजन का आखिरी लीग मैच डिफेंडिंग चौंपियंस आरसीबी और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया। इस मैच में स्मृति मंधाना की कप्तानी में आरसीबी को मुंबई पर जीत जरूरत मिली, लेकिन ये टीम नॉकआउट राउंड में पहुंचने से चूक गई और चौथे स्थान पर रहते हुए सीजन का समापन किया। च्स् 2024 का टाइटल जीतने वाली आरसीबी के लिए ये सीजन निराश करने वाला रहा और ये टीम चौथे नंबर पर रही। इस सीजन में आरसीबी ने 8 मैच खेले जिसमें उसे 3 में जीत मिली जबकि 5 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। वहीं यूपी वॉरियर के हाथ भी इस सीजन निराशा हाथ लगी और अंकतालिका में ये टीम 5वें स्थान पर ही। यूपी ने भी 8 मैच खेले जिसमें उसे 3 में जीत मिली। वहीं 4 में हार मिली और इस टीम के 6 अंक रहे। आरसीबी नेट रन रेट के आधार पर यूपी से ऊपर रही। दिल्ली की टीम का प्रदर्शन लीग मैचों में बेहतरीन रहा और ये टीम अंकतालिका में टॉप पर है। इस टीम ने 8 मैच खेले जिसमें उसे 5 में जीत मिली और 3 मैचों में उसे हार मिली। इस टीम के 10 अंक रहे और ये सीझे फाइनल में पहुंच गई। वहीं मुंबई इंडियंस ने भी 8 में से 5 मैच जीते और 3 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा।

ऋषभ पंत की बहन की शादी में जमकर झूमे धोनी–रैना, मसूरी में लगा क्रिकेट स्टार्स का मेला

कार्यालय संवाददाता

टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बहन साक्षी पंत की शादी हो रही है। शादी के सभी कार्यक्रम मसूरी में आयोजित हो रहे हैं। देश भर में ऋषभ पंत के करीबी लोग शादी में पहुंच रहे हैं जिसमें कई दिग्गज क्रिकेटर्स भी शामिल हैं। वहीं पूर्व कप्तान एमएस धोनी और सुरेश रेना, नितीश राणा और युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ भी मसूरी पहुंचे हैं। वहीं मंगलवार रात संगीत का फंक्शन था जिसके एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। यहां फैंस को अपने पूर्व कप्तान धोनी का अलग अंदाज देखने को मिला। अकसर शादियों में शांत रहने वाले धोनी यहां गानों पर झूमते नजर आए। उनके बचपन के दोस्त और सुरेश रैना ने भी उनका जमकर साथ दिया। फैंस को ये वीडियो काफी पसंद आ रहा हैं। वीडियों में देख सकते हैं कि, धोनी, पंत रैना और कुछ और लोग एक दूसरे के कंधे पर हाथ रखकर गोले में खड़े हैं। बैकग्राउंड में दमादम मस्त कलंदर गाना बज रहा है। सभी लोग गर्दन घुमा–घुमा कर कूद रहे थे। वीडियो देखकर समझ आ रहा था कि सभी ने इस पल का जमकर मजा लिया है। सुरेश रैना ने सेरेमनी की एक तस्वीर भी शेयर की है। इस तस्वीर में वह और प्रियंका रैना, साक्षी और धोनी के साथ नजर आ रहे हैं। चारों की ये तस्वीर फैंस को बहुत पसंद आई। लोग इसे धोनी–रैना की रियूनियन कह रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स ने मेरे दो अनमोल रत्न कमेंट किया। लोगों ने ये भी लिखा कि थाला और चिन्ना थाला के रिश्ते और दोस्ती का टूटना बहुत मुश्किल है। कुछ दिन पहले ही धोनी को चेन्नई के कैंप में आईपीएल के लिए अभ्यास करते हुए देखा गया था। चेन्नई सुपर किंग्स का प्री सीजन कैंप शुरू हो चुका है। धोनी ने साक्षी पंत की शादी के लिए वहां से उड़ान भरी और वह देहरादून पहुंचे। साझी धोनी ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करके बतया कि वह अपने होम टर्फ पर हैं।

बाजार में किसानों को लूटा जा रहा, गेहूं की दर बढ़ाए सरकारः हरेंद्र सिंह मलिक

कार्यालय संवाददाता

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद हरेंद्र सिंह मलिक ने राज्य सरकार से गेहूं की खरीद दर बढ़ाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि उपभोक्ताओं को सस्ता आटा और किसानों को बेहतर मूल्य मिले। सपा सांसद हरेंद्र सिंह मलिक ने मंगलवार को न्यूज एजेंसी से खास बातचीत में कहा, गेहूं का सीजन आता है तो इसे हर बार खरीदा जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने रेट थोड़ा बढ़ाया, यह अच्छी बात है, लेकिन इनके चुनावी घोषणा पत्र में कहा गया था कि हम लागत मूल्य का डेढ़ गुना किसान को देंगे, जो अभी भी पूरा नहीं होता है। अगर आप बाजार में जाएंगे तो पता चलेगा कि किसानों को लूटा जा रहा है। किसानों के इनपुट की कीमतों में इजाफा हुआ है। फसल का लागत मूल्य, पेस्टिसाइड, फर्टिलाइजर और बीज के दामों में बढ़ोतरी हुई है। सरकार को चाहिए कि उपभोक्ता को भी सस्ता आटा मिले और किसानों को बेहतर मूल्य मिले। हरेंद्र सिंह मलिक ने मंदिर के सोने से अर्थव्यवस्था मजबूत होने वाले सवाल पर कहा, इस बात से कोई लाभ मिलने वाला नहीं है, इस तरह के बयान उनकी मंशा को उजागर करते हैं। हालांकि, बिल गलत था, इसलिए ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी को भेजा गया। बिल आएगा तो देखते हैं कि क्या सुधार होता है और क्या नहीं। जहां तक मंदिर के सोने की बात है तो मौलाना को इस पर बोलने का कोई मतलब नहीं है। लोग अपने बच्चों की तालीम की तरफ देखें और युवाओं के रोजगार की बात करें। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान किसानों की स्थिति पर बयान दिया था। उन्होंने कहा था, उत्तर प्रदेश के किसानों की हालत 2017 से पहले बेहद खराब थी, लेकिन अब किसान आत्महत्या नहीं कर रहा, बल्कि अपनी उपज का डेढ़ गुना मूल्य पा रहा है। ध्ाान की खेती में किसानों को प्रति क्विंटल 2,300 रुपये मिल रहे हैं, जबकि लागत 1,100 रुपये आती है। इसी तरह गेहूं पर भी सरकार किसानों को दोगुना मूल्य दे रही है। गन्ना किसानों को एक सप्ताह के भीतर भुगतान मिल रहा है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य बन चुका है और इथेनॉल उत्पादन में भी शीर्ष स्थान पर है। सरकार ने दलहन और तिलहन के लिए भी विशेष योजनाएं शुरू की हैं, जिससे किसानों की आमदनी में वृद्धि हो रही है।

हार्दिक पंड्या ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, 6 मिनट में इंस्टाग्राम पर कमाए 1 मिलियन लाइक

कार्यालय संवाददाता

टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने चौंपियंस ट्रॉफी में बल्ले और गेंद, दोनों से अहम योगदान दिया। क्रिकेट मैदान पर तो उन्होंने कई रिकॉर्ड बनाए हैं लेकिन अब उन्होंने सोशल मीडिया पर भी एक बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। उन्होंने एक इंस्टाग्राम पोस्ट किया, जिसमें कुछ मिनटों में लाइक की संख्या लाखों में पहुंच गई। इस बीच उन्होंने विराट कोहली का एक बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। फाइनल जीतने के बाद हार्दिक पंड्या चौंपियंस ट्रॉफी को लेकर पिच पर गए, वह अपने साथ अक्षर पटेल को लेकर गए ताकि वह उनकी फोटो खींच सके। इस दौरान करीब दर्जनों कैमरामैन भी वहां पहुंच गए। पंड्या ने पिच पर ट्रॉफी के साथ अपना आइकोनिक पोज दिया, जो उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भी दिया था। हार्दिक पंड्या के इस पोस्ट पर 1 मिलियन लाइक सिर्फ 6 मिनट में आ गए, ये एक नया रिकॉर्ड बन गया। इससे पहले इंस्टाग्राम पर सबसे तेज 1 मिलियन लाइक का रिकॉर्ड विराट कोहली के पोस्ट के नाम था। उनके टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद किए गए पोस्ट पर 7 मिनट में 1 मिलियन लाइक आए थे।